हिन्दी दैनिक

# पथ प्रवाह

हर खबर पर पैनी नजर

वर्ष:4 अंक:286 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | RNI No.: UTTHIN/2011/39282 | हरिद्वार, सोमवार, 20 अक्टूबर 2025

## मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का संदेश

# प्रकाश फैलाएं, सकारात्मकता जगाएं, स्वच्छ और सामंजस्यपूर्ण दीपोत्सव मनाएं

**पथ प्रवाह, देहरादून**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में रविवार को प्रदेश के तमाम मंत्रीगण, विधायकगण, भारतीय प्रशासनिक सेवा, पुलिस और वानिकी सेवाओं के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में प्रदेशभर से आए नागरिकों ने भेंट कर दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सभी आगंतुकों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि दीपावली का पर्व अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। यह त्योहार समाज में सकारात्मकता, पवित्रता और सद्भाव का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि यह हम सभी के भीतर की अच्छाई, उम्मीद और ऊर्जा को जगाने का अवसर है। मुख्यमंत्री पुने प्रदेशवासियों से अपील की कि इस पर्व को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और आपसी भाईचारे के साथ मनाएं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने विश्वास व्यक्त किया कि दीपावली का यह पर्व उत्तराखंड के हर घर में नई रोशनी, समृद्धि और खुशहाली लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सतत विकास में प्रत्येक नागरिक का सहयोग आवश्यक है और सबके मिलकर प्रयास करने से उत्तराखंड ÷विकसित राज्य÷ के संकल्प को अवश्य पूरा करेगा।

UTTARAKHAND UKPCB

दीपावली के शुभ अवसर पर
आइये हम सब शपथ लें कि इस दीपावली को
स्वच्छ व पर्यावरणीय अनुकूल तरीके से मनाएंगे।

उत्तराखण्ड
को प्रदूषण मुक्त रखिये।

प्रिय प्रदेशवासियों,

आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। दीपावली का त्यौहार अंधकार पर प्रकाश का द्योतक है। इसलिए कोशिश करें कि दीपावली को दीपों व फूलों से ही मनाया जाये ताकि इस दीपावली को स्वच्छ व पर्यावरण के अनुकूल हर्षोल्लास के साथ मनाया जा सके जिससे हम आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति एक सकारात्मक संदेश पहुँचा सकें।

पुष्कर सिंह धामी | मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

शुभ दीपावली

उत्तराखण्ड प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड, देहरादून द्वारा जनहित में जारी
46–बी, आई. टी. पार्क, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून

स्वच्छ रुड़की

सुन्दर रुड़की

स्वच्छ दीपावली ग्रीन दीपावली
शुभ दीपावली।।

1. नगर निगम रूड़की को स्वच्छ व सुन्दर बनाये रखने के लिए नगर निगम का सहयोग करे।
2. गीला व सूखा कूड़ा को पृथक-पृथक कर नगर निगम के वाहन में डालें।
3. सड़को पर कूड़ा न फेकें।
4. सार्वजनिक स्थलों पर कूड़े को डस्टबिन में ही डालें।
5. प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करे।
6. दीपावली पर स्वदेश निर्मित मिट्टी के दियों का व ग्रीन पटाखों का प्रयोग करें।
7. अपने भवन / प्रतिष्ठान का भवनकर / किराया समय पर जमा करे।
8. सड़को व गलियों / नालियों को अतिक्रमण मुक्त रखे।
9. सभी विवाहित व्यकि यू०सी०सी० पोर्टल पर अपना पंजीकरण अवश्य करवाएं।
10. 26 मार्च 2010 के पश्चात विवाहित सभी व्यक्तियों का यू०सी०सी०पोर्टल पर अपना विवाह पंजीकरण अनिवार्य रूप से करायें।

(राकेश चन्द्र तिवारी)
नगर आयुक्त, नगर निगम रुड़की

(अनीता ललित अग्रवाल)
महापौर नगर निगम रूड़की

SHREE OM UNIVERSITY
FORMERLY KNOWN AS OM GROUP OF COLLEGES
Happy Diwali
आपके परिवारजनों को
धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन
पूजा और भाई दूज की
हार्दिक शुभकामनाएं
Shri Munish Saini
Chairman
Shree Om University
+91-8191887206
+91-9084356956
+91-9084356957
www.shreeomuniversity.org
Panchayanpur, PO-Daulatpur NH-334, Onward Roorkee, 01 KM From Patanjali Yogpeeth, Near Crystal World, Roorkee-Haridwar
- Awards -
Best Polytechnic in Rural Area
Best Emerging Ayurvedic Medical College
Best Pharmacy College


SWAMI DARSHNANAND INSTITUTE OF MANAGEMENT & TECHNOLOGY
Approved by AICTE, Ministry of HRD, Govt. Of India
Affiliated to UTU Dehradun, Sri Dev Suman Uttarakhand University
& Uttarakhand Board of Technical Education Roorkee
14
Happy Diwali
आपके परिवारजनों को
धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन
पूजा और भाई दूज की
हार्दिक शुभकामनाएं
+919219442868
+918171467979
Email: sdimt.hw@gmail.com
Website: www.sdimt.org
SDIMT, Gurukul Mahavidyalaya, Jwalapur, Haridwar, U.K


Happy Diwali
आपको और आपके परिवारजनों को
धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन
पूजा और भाई दूज की
हार्दिक शुभकामनाएं
GOYAL & SONS
CONTRACTER
JAL NIGAM HARIDWAR

हिन्दी दैनिक

# पथ प्रवाह

हर खबर पर पैनी नजर

वर्ष:4 अंक:286 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | RNI No.: UTTHIN/2011/39282 | हरिद्वार, सोमवार, 20 अक्टूबर 2025

# मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निभाई परंपरा, सभी पूर्व मुख्यमंत्रियों को दीपावली की शुभकामनाएं

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दीपावली के पावन पर्व पर एक बार फिर सौहार्द, सम्मान और उत्तराखंड की राजनीतिक संस्कृति की अपनी परंपरा का निर्वहन कर मिसाल पेश की। उन्होंने राज्य के सभी पूर्व मुख्यमंत्रियों के आवास पर जाकर उन्हें दीपावली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर कहा कि दीपावली का पर्व प्रकाश, सद्भाव और एकता का प्रतीक है, और यह मिल-जुलकर आगे बढ़ने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि यह परंपरा केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सुसंस्कृत राजनीतिक विरासत का प्रतीक है, जहाँ मतभेदों से ऊपर उठकर एक-दूसरे के प्रति सम्मान और आत्मीयता का भाव सर्वोपरि रहता है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी तथा पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' के आवास पर पहुंचकर दीपावली की मंगलकामनाएं दीं और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सभी पूर्व मुख्यमंत्रियों ने भी मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को उत्तराखंड की निरंतर प्रगति, शांति और समृद्धि के लिए शुभकामनाएं दीं।

माहौल आत्मीयता, सादगी और पारस्परिक सम्मान से ओतप्रोत रहा।

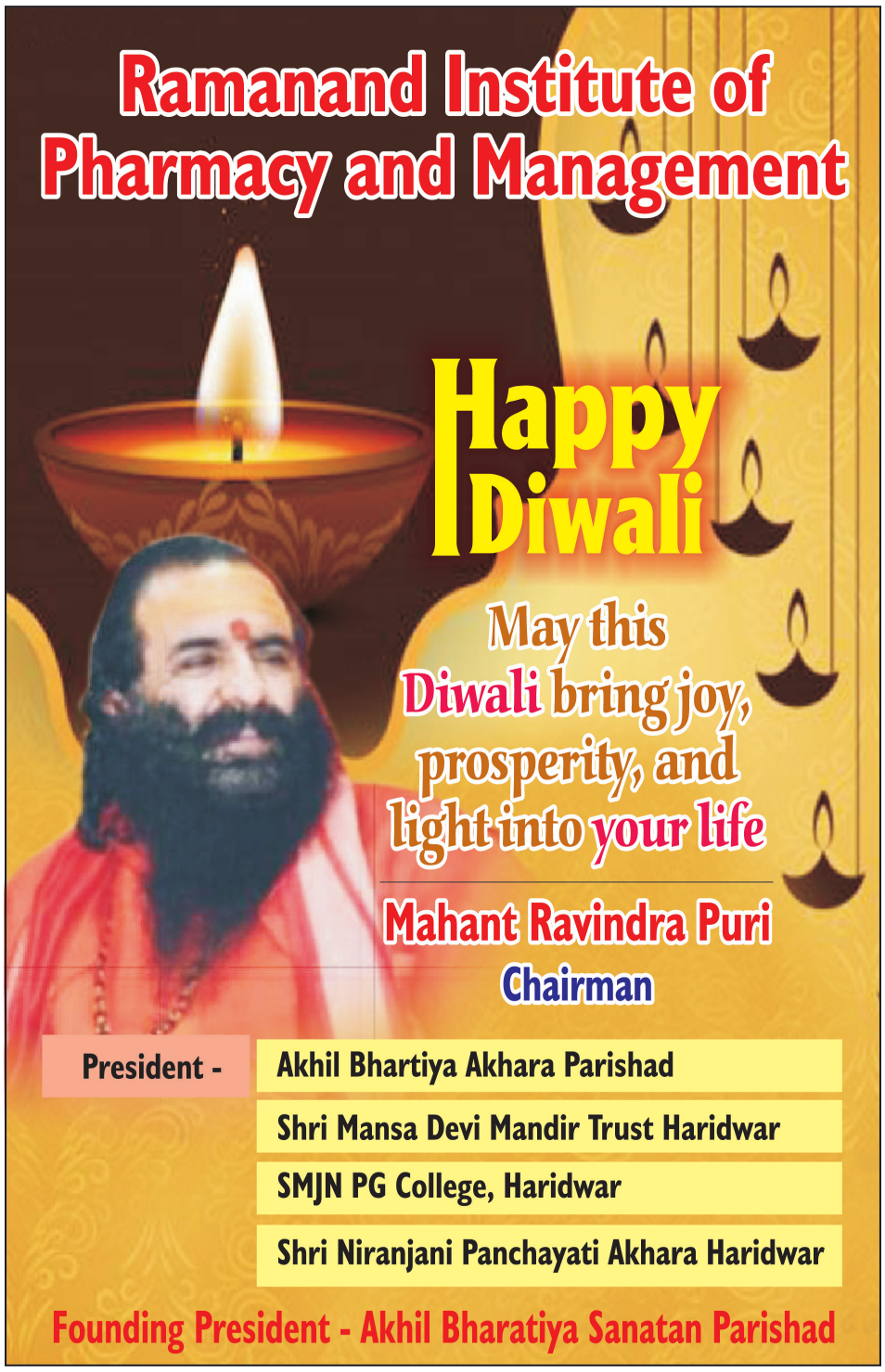

# संपादकीय

## दीपावली की रौनक, स्वदेशी चमक से जगमगाया देश

दीपों का पर्व इस बार सिर्फ घरों में नहीं, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था और जनमानस में भी नया उजाला लेकर आया है। दीपावली के अवसर पर बाजारों में ऐसी रौनक देखने को मिली, जिसने कोविड काल की मंदी और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों की धुंध को मिटा दिया। सड़कों पर खरीदारों की भीड़, दुकानों पर उमंग से भरे चेहरे और भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग ने यह साबित कर दिया कि देश की अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकी गई है।

22 सितंबर 2025 को जीएसटी में किए गए संशोधन ने जनता को बड़ी राहत दी है। उपभोक्ताओं को जहां रोजमर्रा की वस्तुएं सस्ती मिलीं, वहीं छोटे कारोबारियों और स्थानीय निर्माताओं को भी व्यापार बढ़ाने का अवसर मिला। सरकार का यह दूरदर्शी कदम छोटे व्यापारियों के लिए संजीवनी साबित हुआ है, जिसने बाजार की गति को नई दिशा दी है।

इस बार दीपावली की असली चमक 'वोकल फॉर लोकल' अभियान में दिखाई दी। मिट्टी के दीए, कुम्हारों के बनाए दीपक, हस्तनिर्मित तोरण, सजावटी दीपदान और देसी मिठाइयों की बिक्री ने बाजारों की तस्वीर बदल दी। लोगों ने चीन निर्मित सामान की जगह स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर आत्मनिर्भर भारत की भावना को साकार किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना अब एक जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। बाजारों की चहल-पहल में अब व्यापार नहीं, बल्कि देशभक्ति की भावना भी झलकने लगी है। यह सिर्फ आर्थिक लेनदेन नहीं, बल्कि राष्ट्रगौरव का उत्सव बन गया है।

परिवारों में खुशियां लौट आई हैं, घर-आंगनों में दीपों की पंक्तियां हैं और दिलों में स्वदेशी के प्रति गर्व की भावना। छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े उद्योगों तक हर कोई महसूस कर रहा है कि देश अब निर्भरता से निकलकर आत्मनिर्भरता की ओर निर्णायक कदम बढ़ा चुका है।

मोदी सरकार की नीतियों–जीएसटी सुधार, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया–ने अर्थव्यवस्था में नया आत्मविश्वास भरा है। इन पहलों ने न केवल उत्पादन को बढ़ावा दिया है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए हैं। यह दीपावली भारत के बदलते स्वरूप की गवाही दे रही है – जहां रोशनी केवल दीयों में नहीं, बल्कि हर नागरिक के संकल्प में है। यह संकल्प है अपने देश को आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी और समृद्ध बनाने का। आज जब पूरा देश दीपों की लौ से जगमगा रहा है, तो यह प्रकाश संदेश दे रहा है – जब हर घर स्वदेशी अपनाएगा, तब भारत विश्वगुरु बन जाएगा।

## सोवरेन गोल्ड बॉन्ड, सरकार के गले का फंदा

**सनत जैन**

मोदी सरकार ने सोवरेन गोल्ड बांड के नाम से एक महत्वाकांक्षी योजना 2015 में शुरू की थी। सोवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम (एसजीबी) का उद्देश्य था, जनता को प्रत्यक्ष सोने की खरीद से रोकना और उन्हें ÷पेपर गोल्ड÷ यानी सोने के स्थान पर सोने के सरकारी बॉन्ड में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाए। सरकार का तर्क था, इससे न केवल देश की विदेशी मुद्रा का भंडार बचेगा, बल्कि सोने के आयात पर भारत की निर्भरता भी कम होगी। आज, वही स्कीम सरकार के गले का फंदा बन चुकी है। सरकार ने सोचा भी नहीं था, उसे गोल्ड बॉन्ड के रूप में इस तरह के दिन देखने पड़ेंगे। सरकार ने निवेशकों को सोवरेन गोल्ड बॉन्ड का भरोसा दिलाते हुए कहा था, गोल्ड बॉन्ड लेने पर सालाना 2.5 प्रतिशत ब्याज के साथ बांड की अवधि पूरे होने पर सोने की बाजार कीमत का लाभ जोड़कर भुगतान किया जाएगा। जब योजना शुरू हुई थी, उस वक्त 2015 में सोना लगभग 35,000 रूपये प्रति 10 ग्राम था। 2025 में सोने की कीमत 1.3 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर पहुंच चुकी है। 2015 से 2024 तक सरकार हर साल बांड निकालती रही। बड़े पैमाने पर निवेशक गोल्ड बांड मे निवेश करते चले जा रहे थे। बाँड को खरीदते समय सोने की जो कीमत थी सरकार को निवेशक को उतनी ही मूल्य के सोने की राशि को वापस करना है। सरकार ने पिछले 9 वर्ष में हर साल बांड बेचे। उसके एवज में सरकार ने सोना सरकारी खजाने के लिए नहीं खरीदा। अब भुगतान के लिए सोने की वर्तमान कीमत पर सरकार को भुगतान करना पड़ रहा है। सरकार के खजाने से हर साल एक बहुत बड़ी राशि गोल्ड बांड के निवेशकों को भुगतान करना पड़ रही है। सरकार जिसको बेहतर स्कीम एवं ÷सस्ता सौदा÷ मान रही थी, वही बांड अब सरकार के खजाने की कमर तोड़ रहा है। रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया के आंकड़े बताते हैं, अभी तक जारी गोल्ड बॉन्ड्स में सोने की कुल मात्रा 126 टन सोने के बराबर है। जिसकी मौजूदा बाजार में कीमत लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुकी है। इस सोने की राशि के साथ सरकार को हर साल करीब 3,700 करोड़ रुपये ब्याज के रूप में गोल्ड बॉन्ड के निवेशकों को चुकाने पड़ रहे हैं। यह पूरी राशि केंद्र सरकार के ऊपर बजट की लायबिलिटी बन गई है। सरकार ने इसे बजट में शामिल नहीं किया था, जिसके कारण सरकार की मुसीबत और भी बढ़ गई है। सरकार को अब टैक्स के रूप में वसूल की गई राशि में से गोल्ड बॉन्ड का भुगतान करना पड़ेगा। जिस तरह से सरकार के ऊपर आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। ऐसे समय पर सरकारी खजाने के ऊपर इतना बड़ा बोझ सरकार की मुश्किलों को बढ़ा रहा है। केंद्र सरकार की समस्या ब्याज से नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की अप्रत्याशित मूल्य वृद्धि से हुई है। सरकार ने यह अनुमान नहीं लगाया था। सोने की कीमत में दस वर्षों में तीन गुना से ज्यादा की वृद्धि हो जाएगी। जैसे-जैसे बॉन्ड्स की मियाद पूरी हो रही है, सरकार को भारी-भरकम भुगतान निवेशकों को करना पड़ रहा है। आने वाले वर्षों में जिस तरह से सोने की कीमतें बढ़ेंगी निवेशकों को उसी अनुपात में भुगतान करना पड़ेगा। जिसके कारण आने वाले सालों में भी सरकार की परेशानी कम होने के स्थान पर बढ़ने वाली है। हालांकि केंद्र सरकार ने 2024 में इस योजना को खामोशी के साथ बंद कर दिया है।

गोल्ड बॉन्ड योजना में जितना निवेश हुआ था, उसी में सरकार को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह एक ऐसी योजना थी, जो सोने के आयात को घटाने और जनता को सोने का वैकल्पिक निवेश देने की योजना बनाई गई थी। जो पूरी तरह से विफल साबित हुई है। ऐसा लगता है कि सरकार ने इस बारे में भविष्य को ध्यान में रखते हुए सोच-विचार नहीं किया था। वित्त मंत्रालय के लिए गोल्ड बॉन्ड योजना अब भारी सिरदर्द बन चुकी है। सच्चाई यह है, ÷पेपर गोल्ड÷ का यह सपना निवेशकों के लिए काफी बेहतर साबित हुआ है। सरकार को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। सरकार को क्या कहें, यह जनता से टैक्स के रूप में वसूल की गई राशि से भुगतान किया जा रहा है। जिसके कारण भविष्य में और भी टैक्स बढ़ाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, यह योजना सरकार की दूरदर्शिता मे कमी और गलत वित्तीय आकलन का नतीजा है। जिस योजना से देश को लाभ होना था, वही अब जनता के लिए टैक्स पर बोझ बन गई है। उस समय यदि सोना आयात किया जाता। निवेशक स्वयं की पूंजी से सोना आयात करते, भारत में सोने का एक बड़ा भंडार आम जनता के पास होता। इस योजना से सरकार को दोहरा नुकसान हुआ है। गोल्ड बॉन्ड स्कीम से सरकार को सबक लेना चाहिए। अर्थ से जुड़े निर्णय विशेषज्ञों की सहायता से ही लिए जाने चाहिए। सोच विचार कर यदि योजनाएं बनाई जाती हैं तो उसका परिणाम सार्थक होता है।

# दिवाली - हिन्दू सिख एकता का प्रतीक

**संजय गोस्वामी**

सिखों व हिंदू की दिवाली एक साथ मनाई जाती है लेकिन यह बंदी छोड़ दिवस कहलाती है और इसे हिंदू दिवाली के साथ या एक ही दिन मनाया जाता है।छठे सिख , गुरु हरगोबिंद साहिब से जुड़ा है, जिन्होंने 52 हिंदू राजाओं को मुगल सम्राट जहाँगीर द्वारा ग्वालियर किले से रिहा कराया था यह दिन गुरु हरगोबिंद साहिब की 1619 में मुगल शासक जँहागिर के शासन में ग्वालियर की कैद से रिहाई की याद में मनाया जाता है, और इसे दिवाली 2025 के दौरान 21 अक्टूबर को ही मनाया जायेगा । यह घटना 1619 में हुई थी, जब गुरु हरगोबिंद को 52 राजाओं के साथ बंदी बनाया गया था। गुरु ने अपनी बुद्धिमत्ता का उपयोग करते हुए एक विशेष लबादा बनवाया, जिसकी 52 लटकनों को पकड़कर सभी राजा बाहर निकले और यह दिन मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। अवसर- बंदी छोड़ दिवस, जिसका अर्थ है मुक्ति दिवस, गुरु हरगोबिंद साहिब जी की रिहाई का जश्न मनाता है। परंपरा के अनुसार, गुरु ने 52 हिंदू राजाओं को भी छुड़ाया था जो उनके साथ कैद थे। प्रथाएं- इस दिन सिख घरों और गुरुद्वारों को रोशन करते हैं। वे गुरुद्वारे जाते हैं, गुरुबानी और कीर्तन सुनते हैं, और परिवार और दोस्तों के साथ उपहारों और दावतों का आदान-प्रदान करते हैं। महत्व- यह दिन सिख धर्म में एकता और स्वतंत्रता का प्रतीक है और इसे हिंदुओं के साथ दिवाली के रूप में भी मनाया जाता है। अमृतसर और दिवाली- जब गुरु हरगोबिंद अमृतसर पहुँचे, तो संयोग से उसी दिन दिवाली थी। लोगों ने गुरु का स्वागत शहर को रोशन करके किया, जो दिवाली की खुशी में एक अतिरिक्त आनंद जुड़ गया। सिख पवित्र गुरुद्वारा शेर शिकार, (बाघ शिकार गुरुद्वारा), भारत के राजस्थान के धौलपुर में मचकुंड में स्थित है। यह गुरुद्वारा छठे गुरु, श्री गुरु हरगोबिंद की यात्रा और पौराणिक शिकार में उनकी भूमिका से जुड़ा है। (कुछ लोग इस कहानी को बाघ के रूप में और कुछ लोग शेर के रूप में सुनाते हैं)। जैसे ही शेर का शिकार दल जंगल में आगे बढ़ा, तनाव तब बढ़ गया जब शेर ने अप्रत्याशित रूप से सम्राट जहाँगीर पर झपट्टा मारा। सम्राट और उनके सैनिकों ने घबराहट में प्रतिक्रिया व्यक्त की और अपनी रक्षा के लिए गोलियाँ और तीर चलाए। हालाँकि, उनके प्रयास व्यर्थ साबित हुए क्योंकि शेर अपने आसपास के शोरगुल से विचलित हुए बिना आगे बढ़ता रहा। संकट के इस महत्वपूर्ण क्षण में, गुरु हरगोबिंद की वीरता प्रकट हुई। अद्भुत साहस का परिचय देते हुए, उन्होंने तेजी से अपने घोड़े से उतरकर खुद को शेर और सम्राट जहाँगीर के बीच खड़ा कर लिया। गुरु हरगोबिंद का निस्वार्थ रक्षा कार्य न केवल शेर के विरुद्ध एक भौतिक अवरोध था, बल्कि उनके नैतिक विश्वास का एक शक्तिशाली प्रमाण भी था। अडिग संकल्प के साथ, उन्होंने शेर को संबोधित करते हुए कहा- ऐ काले यमन पहलन तून वार कर लाए बच्चे तेरे मन दी इच्छा बाकी न रह जाए। इसका अर्थ है, हे काल यमन, पहले मुझ पर आक्रमण कर, ताकि तेरे मन में आक्रमण करने की कोई इच्छा न रहे। यह क्षण सिख इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो गुरु हरगोबिंद की निडरता और दूसरों की रक्षा के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है, यहाँ तक कि अपनी जान जोखिम में डालकर भी। उनके कार्य बलिदान, वीरता और नेतृत्व के उन सिद्धांतों का उदाहरण हैं जो सिख शिक्षाओं के मूल हैं। यह घटना न केवल गुरु के शारीरिक पराक्रम को दर्शाती है, बल्कि एक रक्षक और योद्धा के रूप में उनकी विरासत को भी पुख्ता करती है, जिसने उनके समय की घटनाओं को प्रभावित किया और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित किया। शेर का आक्रमण- गुरु हरगोबिंद पर शेर का आक्रमण एक नाटकीय और निर्णायक क्षण है जो उनकी वीरता और आध्यात्मिक प्रभुत्व, दोनों को दर्शाता है। जब शेर गुरु पर भयंकर रूप से झपटा, तो खतरे से भरा एक गहन दृश्य उत्पन्न हो गया। गुरु हरगोबिंद ने त्वरित और फुर्तीली प्रतिक्रिया में, अपने बाएँ हाथ से ढाल उठाई और दाएँ हाथ से तलवार चलाई। अद्भुत कौशल के साथ, उन्होंने एक ही, सहज गति से शेर पर वार किया। यह क्रिया केवल युद्ध कौशल का प्रदर्शन नहीं है; यह गुरु की आध्यात्मिक शक्ति और नैतिक साहस का प्रतीक है, जो सिख दर्शन के मूल में निहित सुरक्षा और निस्वार्थता के मूल्यों का प्रतीक है। जब शेर को नीचे गिराया गया, तो सम्राट जहाँगीर और उसके सैनिकों की प्रतिक्रिया उल्लेखनीय है। जहाँ सैनिक डर के मारे पीछे हट गए, वहीं गुरु अपनी जगह पर डटे रहे, जिससे आसन्न ख़तरे के बावजूद दूसरों की निडर रक्षा का उनका उदाहरण सामने आया। इस क्षण ने न केवल गुरु हरगोबिंद की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ किया, बल्कि मचकुंड को सिख भक्तों के एक संप्रदाय, उदासी के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल में बदल दिया। इस घटना के बाद, उदासी ने मचकुंड में आध्यात्मिक गतिविधियों में संलग्न होना शुरू कर दिया, जिससे यह कुछ समय के लिए धार्मिक और सामुदायिक समारोहों का केंद्र बन गया। इस घटना के बाद, सम्राट जहाँगीर ने गुरु हरगोबिंद के महत्व को पहचाना और उन्हें राज्य भर में अपने शाही दौरों में अक्सर अपने साथ चलने के लिए आमंत्रित किया। इसने दोनों के बीच एक जटिल रिश्ते की शुरुआत को चिह्नित किया। हालाँकि, चंदू शाह के आगमन के साथ, जिन्होंने पाँचवें सिख गुरु, गुरु अर्जन की शहादत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, कहानी एक और भी गहरा मोड़ लेती है। गुरु हरगोबिंद के प्रति चंदू शाह के दुर्भावनापूर्ण इरादे राजनीतिक साजिश और खतरे के उद्भव का संकेत देते हैं जो विश्वासघात के सामने गुरु के लचीलेपन और अपने सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता की परीक्षा लेंगे।

आगरा में एक कठिन दौर के दौरान, सम्राट जहाँगीर एक गंभीर बीमारी से पीड़ित हुए, जिसके कारण उनके निजी चिकित्सा सहायक प्रभावी उपचार प्रदान करने में असमर्थ हो गए। हताश होकर, उन्होंने चंदू साह के कहने पर ज्योतिषियों से परामर्श करके उपचार की एक अधिक पारंपरिक पद्धति का सहारा लिया, जो प्राचीन भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक ताने-बाने में निहित एक प्रथा थी।

# दीपावली 2025-वैश्विक आलोक का पर्व- अंधकार से प्रकाश, दरिद्रता से समृद्धि और मानवता से एकता की ओर

**किशन सनमुखदास भावनानी**

वैश्विक स्तरपर भारत सहित पूरी दुनियाँ में पौराणिक काल से भारतीयों के बीच ऐसी मान्यता है कि जो मां लक्ष्मी के सामने दिल से भावपूर्ण भाव से अपनी मनोकामना रखेगा मां लक्ष्मी उन शुद्ध निस्वार्थ ईमानदार भावों पर अपनी कृपा दृष्टि ज़रूर बरसाती है औरउनकी दरिद्रता गरीबी हर लेती है,व धन-धान्य की बारिश करती है जिसका सटीक दिन दीपावली और पल या क्षण लक्ष्मी पूजा हैइस बार दीपावली की तारीख को लेकर दुनियाँ भर में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को दीपावली मनाए जाने का विधान है।भारत में अधिकतम राज्यों लोगों द्वारा सोमवार 20 अक्टूबर 2025 को दीपावली मनाई जा रही है अनेक स्कूलों में भी 19 तारीख से ही छुट्टियां घोषित की गई है,जम्मू कश्मीर सरकार ने दिवाली के पावन पर्व पर राज्य के छात्रों,शिक्षकों और कर्मचारियों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए पूरे देश में सबसे अधिक 15 दिन की लंबी छुट्टियों की घोषणा कर दी है। राज्य सरकार ने 19 अक्टूबर से 2 नवंबर तक पूरे दो सप्ताह का दिवाली अवकाश घोषित किया है। यह निर्णय प्रदेश के सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों पर लागू होगा। इस अवधि में प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थान पूरी तरह से बंद रहेंगे और कोई शैक्षणिक गतिविधि नहीं होगी।2025 में यह पर्व पहले से भी अधिक भव्य, आध्यात्मिक और विश्वव्यापी स्वरूप ले चुका है। इस वर्ष भारत के उत्तर प्रदेश में अयोध्या की पावन नगरी में होने वाला दीपोत्सव विश्व का सबसे बड़ा सामूहिक आलोक उत्सव बनने जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, सिंगापुर और खाड़ी देशों में बसे भारतीय समुदायोंने भी दीपावली को विश्व सांस्कृतिक एकता के प्रतीक के रूप में मनाने की तैयारी कर ली है। इस बार का दीप पर्व न केवल घर-आंगन बल्कि विश्व के हृदय को भी रोशन करेगा।

साथियों बात अगर कर हम दीपावली पर्व 2025 की बेला आई भक्तों की मन्नतें और मां लक्ष्मी की आराधना को समझने की करें तो,दीपावली का अर्थ ही है,÷अंधकार पर प्रकाश की विजय÷।यह त्योहार हर उस व्यक्ति के जीवन में नई आशा, विश्वास और समृद्धि का दीप जलाता है जो परिश्रम, श्रद्धा और सकारात्मकता में विश्वास रखता है। 2025 की दीपावली की बेला पर भक्तों ने मां लक्ष्मी से अपनी मन्नतें सुनाई,हे मां लक्ष्मी, दरिद्रता, गरीबी और कष्टों को दूर करो, हमारे घरों में धन, ज्ञान और स्वास्थ्य की वर्षा करो।इस भावना में केवल भौतिक समृद्धि नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन की भी आकांक्षा निहित है।प्रत्येक घर में माँ लक्ष्मी का स्वागत विशेष भक्ति भाव से किया जाता है,द्वारपर रंगोली, आंगन में दीपमाला और पूजा स्थल पर धूप-दीप का समर्पण। यह वह क्षण होता है जब संपूर्ण वातावरण में एक दिव्य ऊर्जा का संचार होता है, जैसे स्वयं ब्रह्मांड भी भक्तों के आह्वान को सुनकर झिलमिलाने लगता है।

साथियों बात अगर हम लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त,कृपा वर्षा का दिव्य क्षण को समझने की करें तो,दीपावली की सबसे प्रमुख संध्या होती है मां लक्ष्मी पूजन की रात्रि, जब पूरा परिवार एकत्र होकर देवी महालक्ष्मी, भगवान विष्णु, गणेश और कुबेर की पूजा-अर्चना करता है।2025 के शुभ मुहूर्त के अनुसार, यह पूजन अत्यंत मंगलकारी संयोग में होगा,जहां ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति धन प्राप्ति, व्यापार उन्नति और सौभाग्य में वृद्धि का संकेत दे रही है।मान्यता है कि लक्ष्मी पूजन के शुभ मुहूर्त में स्वयं देवी लक्ष्मी पृथ्वी पर अवतरित होकर अपने भक्तों पर कृपा दृष्टि बरसाने निकलती हैं। जिन घरों में स्वच्छता, शुद्धता और श्रद्धा का वातावरण होता है, वहां मां की विशेष कृपा बरसती है। कहा जाता है,÷जिस पर लक्ष्मी की नज़र पड़ी,उसकी किस्मतनिहाल हो गई÷वही कारण है कि इस रात हर घर दीपों से जगमगा उठता है, हर मन में नई उम्मीद जाग उठती है।इस दिन लोग केवल धन की नहीं, बल्कि धर्म, ज्ञान और सद्बुद्धि की कामना भी करते हैं। क्योंकि भारतीय दर्शन के अनुसार धन तभी मंगलकारी होता है जब वह धर्म के मार्ग पर चलकर समाज की भलाई में प्रयुक्त हो।

# देहरादून

सभी क्षेत्रवासियों को
धनतेरस, दीपावली, गोर्वधन पूजा
एवं भैय्यादूज
की हार्दिक
शुभकामनाएं
किरण चौधरी
अध्यक्ष जिला पंचायत, हरिद्वार
स्वामी यतीश्वरानन्द जी
प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड भाजपा
अमित चौहान
उपाध्यक्ष जिला पंचायत, हरिद्वार


सभी क्षेत्रवासियों को
धनतेरस, दीपावली, गोर्वधन पूजा
एवं भैय्यादूज
की हार्दिक
शुभकामनाएं
भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा
हरिद्वार
राज्यमंत्री जयपाल चौहान
उत्तराखंड


शुभं करोति कल्याणं अरोग्यं धनसंपदा ।
शत्रुबुद्धि-विनाशाय दीपज्योती नमो स्तुते ।
आप सभी क्षेत्रवासियों को
दीपावली,
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
आदेश चौहान
विधायक भेल रानीपुर


Happy
Diwali
आपको और आपके परिवारजनों को
धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन
पूजा और भाई दूज की
हार्दिक शुभकामनाएं
Raj Kishore Gupta
+91-9997931719
+91-8273130935
Himanshu Gupta Construction
Building Material Supplier
Milan Valika Jagjeetpur Kankhal Haridwar


सभी क्षेत्रवासियों को
धनतेरस, दीपावली, गोर्वधन पूजा
एवं भैय्यादूज
की हार्दिक
शुभकामनाएं
पार्षद वार्ड 56 हनुमंतपुरम
बीजेपी
विधायक रानीपुर आदेश
चौहान

# एक नजर

## भारत के हाई कमिश्नर ने कसा तंज बोले- बाकी तो छोड़िए कनाडा मेरे लिए भी सुरक्षित नहीं

ओटावा। कनाडा में भारत के नए हाई कमिश्नर दिनेश के. पटनायक ने तंज कसते हुए साफ कहा कि खालिस्तानियों के चलते कनाडा दूसरे लोगों को छोड़िए मेरे लिए भी सुरक्षित नहीं है। हमें भी कभी-कभी सुरक्षा लेनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि भारत पहले ही कनाडा से बार-बार कह चुका है कि वहां सक्रिय खालिस्तान समर्थक समूह न केवल भारत की सुरक्षा बल्कि कनाडा की कानून-व्यवस्था के लिए भी खतरा हैं। इन समूहों के जरिए हिंसा, धमकी और तोड़फोड़ की घटनाएं बढ़ी हैं। भारत का कहना है कि ऐसे तत्व भारत-कनाडा रिश्तों को बंधक बनाकर रखे हुए हैं। हाल ही में कनाडा की विदेश मंत्री अनिता आनंद भारत आईं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। भारत और कनाडा के बीच अब रिश्ते सामान्य हो रहे हैं। पटनायक ने कनाडाई टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कनाडा सरकार और पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की ओर से लगाए गए उन सभी आरोपों को सख्ती से खारिज किया है, जिनमें भारतीय राजनयिकों को हत्याओं और वसूली के मामलों से जोड़ा गया था। उन्होंने कहा- ये आरोप पूरी तरह बेबुनियाद, बेतुके और बेकार हैं। पटनायक ने कहा कि भारत हमेशा कानून का सम्मान करता है और कभी भी किसी देश में जाकर अवैध कार्रवाई नहीं करता। उन्होंने कहा कि अगर कनाडा के पास कोई सबूत है तो वह सार्वजनिक करे। सिर्फ आरोप लगाने से सच्चाई नहीं बन जाती। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल उन्हें कनाडा में सुरक्षा दी गई है, लेकिन यह स्थिति खुद बहुत कुछ कहती है। उन्होंने कहा निशाना साधते हुए कहा कि कनाडा जैसे लोकतांत्रिक देश में उन्हें सुरक्षा की जरूरत पड़ रही है। उन्होंने कहा, मुझे यह अजीब लगता है कि यहां एक उच्चायुक्त को सुरक्षा में रहना पड़ रहा है। मैं सुरक्षा में हूँ मुझे ऐसे देश में सुरक्षा में नहीं रहना चाहिए। पटनायक ने साफ कहा कि इस समय भारत और कनाडा के बीच बातचीत का असली मुद्दा 'सुरक्षा' है, खासकर कनाडा में सक्रिय खालिस्तान समर्थक समूह जो कनाडा की धरती से भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे हैं। भारत का यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के रिश्ते पिछले साल से तनाव में हैं। 2023 में कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने दावा किया था कि भारत सरकार से जुड़े एजेंट सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल थे। हाई कमिश्नर ने कहा कि भारत ने उस वक्त भी इन आरोपों को सिरे से खारिज किया था और सबूत मांगे थे, इसके बावजूद आज तक कनाडा कोई ठोस प्रमाण कनाडा नहीं दे पाया है।

## पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। यह दिन 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में चीनी सशस्त्र टुकड़ी के घातक हमले में शहीद हुए 10 वीर जवानों की याद में मनाया जाता है। पुलिस स्मृति दिवस पुलिसकर्मियों के बलिदान और राष्ट्रीय सुरक्षा में उनकी भूमिका को सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष मनाया जाता है। बता दें कि पीएम मोदी ने 2018 में चाणक्यपुरी, नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक को देश को समर्पित किया था। यह स्मारक पुलिस बलों के लिए राष्ट्रीय पहचान, गर्व और एकता का प्रतीक है। स्मारक में एक केंद्रीय शिल्पकृति, 'शौर्य की दीवार' और एक संग्रहालय मौजूद हैं। 30 फुट ऊंची ग्रेनाइट की केंद्रीय शिल्पकृति पुलिस कर्मियों की शक्ति, विनम्रता और निःस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। शौर्य की दीवार पर उन पुलिसकर्मियों के नाम अंकित हैं जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। संग्रहालय में भारतीय पुलिस व्यवस्था के इतिहास और विकास की झलक मिलती है।

## गुजरात, तमिलनाडु, राजस्थान, नागालैंड में नोटरी की अधिकतम संख्या बढ़ाई गई

नई दिल्ली। कानून और न्याय मंत्रालय के विधि कार्य विभाग ने नोटरीज (संशोधन) नियम, 2025 अधिसूचित किए हैं, जिसके तहत गुजरात, तमिलनाडु, राजस्थान और नागालैंड में नोटरी की अधिकतम संख्या बढ़ा दी गई है। यह संशोधन 17 अक्टूबर 2025 को जी.एस.आर. 763(ई) के माध्यम से जारी किया गया और इसके साथ ही यह आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रभावी हो गया। यह संशोधन नोटरीज अधिनियम, 1952 की धारा 15 के तहत केंद्र सरकार को प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए किया गया है। इसके तहत नोटरीज़ नियम, 1956 की अनुसूची में बदलाव किया गया है। संशोधन के मुताबिक,अब गुजरात में नोटरी की अधिकतम संख्या 2,900 से बढ़ाकर 6,000, तमिलनाडु में 2,500 से बढ़ाकर 3,500, राजस्थान में 2,000 से बढ़ाकर 3,000 और नागालैंड में 200 से बढ़ाकर 400 कर दी गई है। केंद्र सरकार ने यह कदम संबंधित राज्य सरकारों के अनुरोधों के बाद उठाया है। राज्यों ने यह मांग बढ़ती जनसंख्या, जिलों, तहसीलों और तालुकों की संख्या में वृद्धि तथा नोटरी सेवाओं की बढ़ती जरूरत को ध्यान में रखते हुए की थी। गौरतलब है कि नोटरी वह अधिकृत व्यक्ति होता है जिसे सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है ताकि वह दस्तावेजों, अनुबंधों, हलफनामों और अन्य कानूनी कागजों की सत्यता की पुष्टि कर सके। नोटरी का कार्य यह सुनिश्चित करना होता है कि संबंधित दस्तावेज सही तरीके से हस्ताक्षरित और प्रमाणित किए गए हैं तथा उनका उपयोग कानूनी रूप से मान्य है। यह सेवा नागरिकों को संपत्ति, व्यवसाय, बैंकिंग और न्यायिक कार्यों में दस्तावेजों के सत्यापन के लिए अत्यंत आवश्यक होती है।

## ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने 471 नए ग्राम पंचायत भवनों की आधारशिला रखी

भुवनेश्वर। ओडिशा में ग्रामीण विकास और सुशासन को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को 471 नए ग्राम पंचायत भवनों की आधारशिला रखी। ये भवन ग्रामीण जनता के लिए सरकारी सेवाओं का ÷वन स्टॉप सर्विस सेंटर÷ बनेंगे, जहां लोग सभी प्रशासनिक कार्य एक ही जगह पर कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन भवनों से ग्रामीण इलाकों में प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी और लोगों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

सीएम मोहन माझी ने बताया कि ये ग्राम पंचायत भवन जनता के लिए सेवा के नए मंदिर के रूप में काम करेंगे और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाएंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सरकार ओडिशा के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'अंत्योदय गृह योजना' के तहत राज्य के 48,693 लाभार्थियों को पहली किस्त की राशि वितरित की। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर और उपेक्षित वर्ग के लोगों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका लक्ष्य है कि कोई भी परिवार बिना छत के न रहे और योजना के तहत उन्हें सुरक्षित और गरिमापूर्ण आश्रय मिलेगा।

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जननायक कर्पूरी ठाकुर के गांव से करेंगे विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत, पहली जनसभा 24 अक्टूबर को समस्तीपुर में

पटना। भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार अभियान की शुरुआत 24 अक्टूबर से करेंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी प्रचार अभियान का आगाज़ कर्पूरी गांव से करेंगे, जहां वे जननायक भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर को श्रद्धांजलि देकर समस्तीपुर में पहली चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। डॉ. जायसवाल ने कहा कि इसके बाद वे उसी दिन बेगूसराय में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी इसके बाद 30 अक्टूबर को बिहार के दौरे पर आएंगे और मुजफ्फरपुर और छपरा में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। इसके बाद उनका लगातार बिहार दौरा होगा। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने विपक्षी दलों के गठबंधन महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि उसमें सिर फुटव्वल चल रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर एनडीए के सभी पांचों पांडव एकजुट होकर सौहार्दपूर्ण तरीके से सीट बंटवारा कर चुनावी मैदान में उतर चुके हैं और कौरव की सेना महागठबंधन में सिरफुटव्वल हो रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता समझ रही है कि जब सीट बंटवारे में ही यह स्थिति आ सकती है तो ये सरकार क्या चलाएंगे। बिहार की जनता और मतदाता ने बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि यहां की जनता महागठबंधन के संस्कार और स्वभाव भी देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन में टिकट को लेकर जिस तरह पैसों का खेल हो रहा है, उसे भी बिहार की जनता देख रही है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन में टिकट को लेकर जिस तरह पैसों का खेल हो रहा है, उसे भी बिहार की जनता देख रही है। ?उन्होंने कहा कि एनडीए विकास पर, गरीबों के कल्याण और महिला सशक्तीकरण पर विश्वास करती है। युवाओं के रोजगार और नौकरी की चिंता करती है। किसानों का कल्याण जिस तरह एनडीए सरकार कर रही है, वह अभूतपूर्व है। पीएम मोदी की गारंटी पर बिहार की जनता को विश्वास है। ?इस प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश, प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अमित प्रकाश बबलू, सूरज पांडेय भी उपस्थित रहे।

## जहां कभी रामभक्तों पर गोलियां चली थीं, वहां हमने दीप जलाए- सीएम योगी

अयोध्या। अयोध्या में आज भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस पर नगर में त्रेतायुग की तरह ही प्रभु श्रीराम का स्वागत सत्कार किया गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका राजतिलक किया। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि अब अयोध्या विकास और विरासत का प्रतीक बन चुकी है। जहां कभी गोलियां चली थीं वहां अब दी जल रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब दुनिया भर के सनातन धर्मावलंबी अयोध्या आ रहे हैं। भारत के अलग-अलग कोनों से लोग रामलला का दर्शन करने आ रहे हैं। आज अयोध्या में विकास हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ये वही उत्तर प्रदेश है जहां गरीबों के घर में शौचालय बन रहा है। लोगों को कोरोना काल से ही राशन का वितरण किया जा रहा है और अगर बीमार हो जाएं तो पांच लाख रुपये का सुरक्षा कवर आयुष्मान योजना के रूप में दिया जा रहा है। प्रदेश में अब रामराज्य की स्थापना हो चुकी है। अब तैहिक, दैविक और भौतिक किसी भी तरह का दुख लोगों को नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में कानून का राज है। पहले त्योहारों के समय दंगे होते थे। पहले लोग सोच नहीं सकते थे कि प्रदेश में शांति हो भी सकती है। आठ साल के बाद यूपी माफियाराज-गुंडाराज से मुक्त हो चुका है। अब प्रदेश के सामने पहचान का संकट नहीं है। अब अपराधी भयभीत हैं। किसान खुशहाल हैं। युवाओं के लिए अवसर हैं। महिलाएं सुरक्षित हैं। हर हृदय में उत्साह और उमंग है और जहां कभी गोलियां चली थीं वहां अब दीप

प्रज्वलित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण किया गया। हम नहीं भूल सकते हैं कि कांग्रेस ने कहा था कि राम तो हैं ही नहीं। राम तो मिथक हैं। उन्होंने सपा पर हमला करते हुए कहा कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान समाजवादी पार्टी के लोगों ने राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। उन्होंने गोली चलवाई थी हम दीप जला रहे हैं। उन्होंने ताले लगवाए थे हम आस्था को आजाद कर रहे हैं। आज अयोध्या विकास और विरासत का अद्भुत संगम बन रही है। ये लोग विदेशी आक्रांताओं की कब्र पर तो आते हैं लेकिन रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर निमंत्रण देने पर भी नहीं आए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या का ये दीपोत्सव 500 साल तक आस्था के संघर्ष की विजय का प्रतीक है। देश की आजादी के बाद हर भारतवासी के मन में था कि अब देश को सांस्कृतिक आजादी भी मिले लेकिन कुछ लोगों ने सनातनियों की आस्था को कैद करने का कुत्सित प्रयास किया पर आज भगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं। सनातनियों ने 500 साल तक अपने देवस्थान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि अयोध्या एक ऐसी नगरी है जहां धर्म मानव स्वरूप में उत्पन्न हुआ है। हमने 2017 में दीपोत्सव का शुभारंभ किया और सभी के सहयोग से दीपोत्सव की परंपरा प्रारंभ हुई। 2017 में एक लाख 71 हजार दीप जलाए गए थे और अब लाखों लाख दीप अयोध्या में प्रज्ज्वलित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामकथा पार्क के मंच पर श्रीराम का राजतिलक किया। श्रीराम राज्याभिषेक समारोह के दौरान रामकथा पार्क जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। सीएम योगी ने श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और गुरु वशिष्ठ का भी तिलक कर माल्यार्पण किया और आरती उतारी। प्रदेश सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जयवीर सिंह, राकेश सचान व सतीश शर्मा ने भी आरती उतारी। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय समेत रामनगरी के संत महंतों ने भगवान के स्वरूपों की आरती उतारी। रामकथा पार्क में आयोजित समारोह में हजारों की संख्या में संत, महंत, श्रद्धालु और पर्यटक राज्याभिषेक समारोह का हिस्सा बने।

## अगर अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला किया तो हम सौ साल तक लड़ेंगे: मादुरो

काराकास। दक्षिण अमेरिका में हालात युद्ध के मुहाने पर हैं। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव इस हद तक बढ़ चुका है कि दोनों देशों की सेनाए। आमने-सामने की तैयारी में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैरेबियन सागर में अपनी सेना को सैन्य कार्रवाई की अनुमति दे दी है, जबकि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने भी चेतावनी दी है की अगर अमेरिका हमला करेगा, तो हम सौ साल तक लड़ेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का आरोप है कि वेनेजुएला की नौकाएं ड्रग्स की तस्करी में शामिल हैं। इन हमलों के बाद मादुरो ने राजधानी काराकास के पास बने एक बंकर में शरण ली, जिसकी सुरक्षा के लिए क्यूबा की ÷ब्लैक वॉस्प÷ कमांडो यूनिट तैनात है। मादुरो के करीबी सहयोगी डायोसदादो कैबेलो ने सेना अधिकारियों से कहा है कि वे ÷सौ साल की जंग÷ की तैयारी करें।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अमेरिका ने हमला किया, तो वेनेजुएला उसे गुरिल्ला युद्ध में उलझा देगा- ठीक वैसे ही जैसे अफगानिस्तान में हुआ था। अमेरिकी खुफिया सूत्रों के मुताबिक मादुरो की योजना है कि अमेरिकी सैनिकों को शहरी इलाकों में कोलेक्टिवोस नामक अर्धसैनिक बलों के जरिए घेर लिया जाए। इन लड़ाकों के पास रूसी एस-300 मिसाइल सिस्टम, एसयू-30 फाइटर जेट, टी-72 टैंक और 6,000 से ज्यादा लग्ला-एसमिसाइलें हैं, जो हेलीकॉप्टरों को गिराने में सक्षम हैं। यही नहीं, कई हथियार हिज्बुल्लाह के लड़ाकों के पास भी हैं, जो ईरान के समर्थन से वेनेजुएला में सक्रिय हैं।

वेनेजुएला के पूर्व खुफिया प्रमुख जनरल के मुताबिक करीब एक हजार हिज्बुल्लाह लड़ाके मर्गारीटा द्वीप पर डेरा डाले हुए हैं। यहां से वे आतंकी नेटवर्क चलाते हैं और वेनेजुएला के नागरिकों को प्रशिक्षण देते हैं। कुछ रिपोर्टों में बताया गया है कि राजधानी काराकास में बने कम्युनिटी सेंटर्स में हिज्बुल्लाह और कोलेक्टिवोस मिलकर सैन्य प्रशिक्षण और विचारधारा की ब्रेनवॉशिंग करते हैं।

अमेरिकी रक्षा विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगर वॉशिंगटन ने हमला किया, तो उसे 48 घंटों में नियंत्रण हासिल करना होगा, अन्यथा हालात अफगानिस्तान या गाजा जैसे हो सकते हैं। अमेरिकी नौसैनिक जहाज पहले से ही वेनेजुएला के तटों पर मौजूद हैं और एफ-35 स्टील्थ जेट्स प्यूर्टो रिको से वेनेजुएला के एयर डिफेंस सिस्टम का परीक्षण कर रहे हैं।

राष्ट्रपति मादुरो का दावा है कि वे 40 लाख नागरिक मिलिशिया को युद्ध में उतारने के लिए तैयार हैं। अमेरिकी विश्लेषक का कहना है कि वेनेजुएला में अमेरिकी मिशन की सफलता जिसमें मादुरो की गिरफ्तारी भी शामिल है, केवल 30 फीसदी संभावना रखती है। मादुरो अगर देश छोड़कर ब्राजील या कोलंबिया भागते हैं, तो अमेरिका के सामने नई चुनौती खड़ी हो जाएगी। मौजूदा हालातों को देखकर यह साफ है कि अगर अमेरिका ने हमला किया, तो यह युद्ध सिर्फ दो देशों के बीच नहीं बल्कि एक ऐसा लंबा गुरिल्ला संघर्ष बन सकता है, जो आने वाले सालों तक लैटिन अमेरिका की राजनीति और सुरक्षा व्यवस्था को हिला देगा।

## एक नजर

### जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने जनपदवासियों को दी दीपावली की शुभकामनाएं

**जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़।** जिलाधिकारी पिथौरागढ़ आशीष भटगांई ने दीपावली पर्व के अवसर पर जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि – दीपावली का पर्व अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला पावन अवसर है, जो आपसी भाईचारे, सौहार्द और उल्लास का प्रतीक है। यह पर्व हमें सत्य, धर्म और ज्ञान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि वे यह पर्व सादगी, पर्यावरण-संरक्षण एवं आपसी सौहार्द के साथ मनाएं। साथ ही उन्होंने पटाखों का सीमित और ध्यान से उपयोग करने का आग्रह किया और पटाखों से बच्चों, बुजुर्गों और पशु-पक्षियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जनभागीदारी करें। जिलाधिकारी ने बताया कि दीपावली पर्व पर प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतज़ाम किए गए हैं, ताकि जनपद में त्योहार शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सके। उन्होंने कहा यह दीपोत्सव आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा, खुशहाली और समृद्धि लेकर आए।

### नशे में उत्पात मचाने वालों पर पुलिस की सख्त कार्यवाही

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़। पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ रेखा यादव के आदेशानुसार तथा सीओ गोविंद बल्लभ जोशी व सीओ कुंवर सिंह रावत के पर्यवेक्षण में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में शराब पीकर उत्पात मचाने वालों एवं नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थानाध्यक्ष कनालीछीना प्रवीण सिंह मय पुलिस टीम द्वारा कस्बा कनालीछीना क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान शराब के नशे में उत्पात मचाने वाले अनिल कुमार पुत्र होशियार राम (उम्र 42 वर्ष) निवासी ग्राम सिरौली, थाना कनालीछीना विजय कुमार पुत्र होशियार राम (उम्र 38 वर्ष) निवासी ग्राम सिरौली, थाना कनालीछीना को पुलिस एक्ट की धारा 81(1) के अंतर्गत हिरासत में लिया गया। इसी क्रम में थानाध्यक्ष जाजरदेवल मनोज पांडेय के नेतृत्व में उप निरीक्षक आशीष रावत द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालक रोहन कुमार निवासी बिन, पिथौरागढ़ को गिरफ्तार कर वाहन सीज किया गया।

### गुमशुदा मोबाइल बरामद कर दिया दीपावली का तोहफा

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़। गुमशुदा मोबाइल बरामदगी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ रेखा यादव के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली धारचूला हरेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा ऋषभ गुंज्याल निवासी धारचूला का सैमसंग मोबाइल बरामद किया गया। मोबाइल के गुम होने के संबंध में पूर्व में कोतवाली धारचूला में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। पुलिस टीम द्वारा सतत प्रयासों एवं तकनीकी सहायता के माध्यम से मोबाइल को ढूंढ-खोज कर सही सलामत ऋषभ गुंज्याल को सुपुर्द किया गया। मोबाइल मिलने पर ऋषभ गुंज्याल ने दीपावली के अवसर पर मोबाइल मिलने से प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जनपद पिथौरागढ़ पुलिस का हृदय से आभार जताया। पुलिस का कहना है कि यदि किसी नागरिक का मोबाइल फोन गुम हो जाए, तो उसकी पूरी जानकारी सहित निकटतम थाने में तत्काल सूचना दें, ताकि मोबाइल की शीघ्र बरामदगी सुनिश्चित की जा सके।

## जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को दी दीपावली की शुभकामनाएं

**पथ प्रवाह, हरिद्वार**

हरिद्वार के जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर उन्हें दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को दीपावली पर्व की बधाई देते हुए राज्य की निरंतर प्रगति और जनता के कल्याण के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अमित चौहान के शुभकामनाओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पर्व समाज में एकता, सहयोग और सद्भाव के मूल्यों को सशक्त करता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने इस अवसर पर राज्यवासियों से स्वच्छ, हरित और पर्यावरण-अनुकूल दीपावली मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ÷हर दीप जलाने के साथ हम अपने भीतर आशा, आत्मविश्वास और उत्तराखंड के उज्जवल भविष्य का संकल्प भी जलाएं। इस दौरान अमित चौहान ने मुख्यमंत्री को विश्वास दिलाया कि जिला पंचायत स्तर पर विकास कार्यों को गति देने और जनसेवा के हर प्रयास में वे सदैव तत्पर रहेंगे। मुलाकात के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण और आत्मीय संवाद के बीच दोनों ने एक-दूसरे को दीपावली पर्व की मंगलकामनाएं दीं।

## शिक्षाविद् और वरिष्ठ भाजपा नेता मुनीष सैनी ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को दी दीपावली की शुभकामनाएं

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कलियर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व भाजपा प्रत्याशी, भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं शिक्षाविद् मुनीष सैनी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस पावन पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और शांति की कामना की। वरिष्ठ भाजपा नेता मुनीष सैनी, जो ओम विश्वविद्यालय के चेयरमैन भी हैं, अपने सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और जनसेवा की भावना के लिए क्षेत्र में विशेष पहचान रखते हैं। समाजसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान ने उन्हें न केवल कलियर विधानसभा में बल्कि पूरे जनपद में एक लोकप्रिय चेहरा बना दिया है। मुनीष सैनी ने कहा कि दीपावली का पर्व अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक है। इस पर्व को हमें समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता के संदेश के रूप में मनाना चाहिए। मुनीष सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। उन्होंने मुख्यमंत्री के सशक्त नेतृत्व और युवाओं के हित में लिए जा रहे निर्णयों की भी सराहना की। अंत में उन्होंने प्रदेश की जनता से अपील की कि दीपावली के अवसर पर देशी मिट्टी के दीए जलाएं, स्वदेशी उत्पादों का प्रयोग करें और स्थानीय कारीगरों का समर्थन कर ÷वोकल फॉर लोकल÷ अभियान को सफल बनाएं।

## दीपावली पर मिट्टी के दीए, लक्ष्मी-गणेश और बर्तन अवश्य खरीदें : डॉ. विशाल गर्ग

### 'लोकल फॉर वोकल' को बढ़ावा देने का आह्वान, कहा—परंपरा से ही संस्कृति जीवित रहती है

**पथ प्रवाह, हरिद्वार**

वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. विशाल गर्ग ने दीपावली पर्व के अवसर पर लोगों से कुम्हारों द्वारा बनाए गए मिट्टी के दीपक, लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं और पारंपरिक बर्तन खरीदने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिया गया ÷लोकल फॉर वोकल÷ का संदेश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है, और दीपावली जैसे पावन पर्व पर इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाना हर नागरिक का कर्तव्य है। डॉ. विशाल गर्ग ने कहा कि दीपावली भारतीय संस्कृति और परंपराओं का सबसे बड़ा त्योहार है, जो प्रकाश, समृद्धि और सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय से ही इस पर्व पर पूजा-अर्चना और सजावट के लिए कुम्हारों के हाथों से बने मिट्टी के दीपक, लक्ष्मी-गणेश और बर्तन उपयोग में लाए जाते रहे हैं। यही वस्तुएं हमारी संस्कृति, श्रम और लोककला की पहचान हैं। भाजपा नेता डॉ विशाल गर्ग ने कहा कि आज के आधुनिक युग में प्लास्टिक और कृत्रिम सामग्रियों के बढ़ते प्रयोग से न केवल पर्यावरण को हानि पहुंच रही है, बल्कि पारंपरिक व्यवसाय भी प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में दीपावली जैसे अवसर पर मिट्टी के दीयों और परंपरागत वस्तुओं का प्रयोग न केवल संस्कृति संरक्षण का कार्य है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक सार्थक कदम है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि इस दीपावली पर स्थानीय कारीगरों और कुम्हारों से सामान खरीदें। इससे जहां स्थानीय रोजगार और पारंपरिक शिल्प को नई गति मिलेगी, वहीं हर घर में प्रकृति और संस्कृति की खुशबू भी बनी रहेगी।

## मुर्मु और राधाकृष्णन ने देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उप राष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने दीपावली की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। श्रीमती मुर्मु ने एक संदेश में कहा, दीपावली के पावन अवसर पर मैं भारत और दुनिया भर में सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाए देती हूं। भारत के सबसे लोकप्रिय त्योहारों में से एक दीपावली बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाई जाती है। यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है।

पूरे देश में अपार उत्साह के साथ मनाया जाने वाला दीपावली का यह पावन पर्व आपसी स्नेह और भाईचारे का संदेश देता है। इस दिन भक्त देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं जो धन और समृद्धि की देवी हैं। उन्होंने कहा, खुशी का यह त्योहार आत्म-चिंतन और आत्म-सुधार का भी अवसर है। यह त्योहार वंचितों और ज़रूरतमंदों की मदद और समर्थन करने तथा उनके जीवन में खुशियां लाने का भी अवसर है। मैं सभी से सुरक्षित, ज़िम्मेदारीपूर्ण और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से दिवाली मनाने का आग्रह करती हूं।

# एक नजर

## हरिद्वार में भेल सेक्टर चार में कालोनी की सड़कों पर दिखा लैपर्ड

पथ प्रवाह, हरिद्वार। रानीपुर बीएचईएल सेक्टर–4 में देर रात उस वक्त दहशत फैल गई जब डिस्पेंसरी के पास एक लैपर्ड दिखायी दिया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लैपर्ड की तलाश में काम्बिंग की। फिलहाल लोगों को देर सेवर घरों से निकलते समय ऐतिहात बरतने की सलाह दी गई है। जानकारी के अनुसार रात के समय कुछ लोगों की नजर झाड़ियों में गई। वहां कुछ हरकत दिखायी देने पर उन्होंने टॉर्च की रोशनी झाड़ियों पर डाली तो उन्हें वहां लैपर्ड दिखायी दिया। लैपर्ड देख लोग घबरा गए। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र में कांबिंग शुरू की गई। टीम ने तेंदुए के पैरों के निशान मिलने की पुष्टि की है। वन विभाग की टीम ने लोगों से अपील की है कि वे रात के समय घरों से बाहर न निकलें और बच्चों व पालतू जानवरों को सुरक्षित रखें। लोगों का कहना है कि बीएचईएल क्षेत्र में झाड़ियों और सुनसान इलाकों की अधिकता के कारण वन्यजीवों की आवाजाही बढ़ी है। लैपर्ड दिखने का वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया है। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में ट्रैप कैमरा लगाए जा रहे हैं, यदि लैपर्ड दोबारा दिखता है तो उसे पकड़ कर वापस घने जंगलों में छोड़ा जाएगा।

## हरकी पैडी पर आधी रात से आ गया गंगाजल, अब गुलजार होंगे घाट

पथ प्रवाह, हरिद्वार। दशहरा पर की गई गंगनहर की वार्षिक बंदी छोटी दीवाली की रात समाप्त हो गई है। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग द्वारा गंगनहर में पानी छोड़ने जाने के साथ ही हरकी पैडी समेत सभी घाट फिर से गुलजार हो जाएंगे। आज से श्रद्धालु पूरी आस्था के साथ गंगा में डुबकी लगा सकेंगे। हरकी पैडी पर गंगा के लौट आने से एक फिर घाटों पर रौनक लौट आएगी। सूने पड़े बाजारों में फिर से चहल-पहल देखने को मिलेगी। स्थानीय व्यापारियों को जहां अब कारोबार मिलेगा वहीं तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं के चेहरे भी अब खिल उठेंगे। इस दौरान घाटों की भी सफाई होने से यहां पानी और अधिक निर्मल नजर आएगा। हर साल दशहरा की रात से दिवाली से एक दिन पहले तक गंगनहर को साफ सफाई और मरम्मत आदि कार्य के लिए बंद किया जाता है। गंगा बंदी के दौरान हरकी पैड़ी पर गंगा के न बहने से पूरा इलाका बेजान सा नजर आता है। हरिद्वार के तीर्थ पुरोहित उज्ज्वल पंडित ने बताया कि हरकी पैडी पर जल आने से हरिद्वार के बाजारों नहीं ही नहीं, बल्कि पूरे हरिद्वार में रौनक लौट आती है। चारों धाम बंद होने के बावजूद हरिद्वार में श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है।

### सिंचाई की समस्या होगी दूर

गंगनहर का क्लोजर समाप्त होने से उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के किसानों की सिंचाई की समस्या भी दूर हो जाएगी। करीब 18 दिन की बंदी के कारण इस नहर पर निर्भर दोनों ही प्रदेशों के किसानों को सिंचाई के लिए परेशान रहना पड़ रहा था। रविवार की देर रात गंगनहर शुरू होने से किसानों को सिंचाई के लिए रजवाहों और छोटी गंगनहर से पानी मिलने लगेगा। जिससे किसान खेतों में गेहूं आदि फसलों की तैयारी कर सकेंगे।

## इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू 2026 के संसदीय चुनावों में हिस्सा लेंगे

तेल अवीब। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की है कि वे 2026 के संसदीय चुनावों में हिस्सा लेंगे। गाजा में इजरायल और हमास के बीच दो साल चले युद्ध के बाद हुए युद्धविराम के बीच उन्होंने यह निर्णय लिया। नेतन्याहू ने इजरायली मीडिया के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि वे एक और कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ना चाहते हैं और उन्हें जीत की उम्मीद है। इससे पहले 2022 के चुनावों में उनके नेतृत्व वाली दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी ने 32 सीटें जीती थीं। 120 सीटों वाली इजरायली संसद ने उन्हें सरकार बनाने के योग्य माना और दिसंबर 2022 में उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। तब से वे गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं।

नेतन्याहू अगले हफ्ते 76 साल के होंगे। उन्होंने पहले 1996 से 1999 और फिर 2009 से 2021 तक इजरायल के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। जून 2021 में यायर लापिड और नफ्ताली बेनेट के नेतृत्व वाले मध्यमार्गी गठबंधन ने उन्हें पद से हटाया था। इजरायली मीडिया के मुताबिक शनिवार रात देश भर में हजारों लोग रैलियों में इकट्ठा हुए और हमास से मृत बंधकों के शवों की वापसी की मांग की।

# शुद्धता से जीता ग्राहकों का दिल, हरिद्वार में बीकानेर मिष्ठान भंडार पर उमड़ी जबरदस्त भीड़

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

दीपावली पर्व के अवसर पर हरिद्वार के प्रसिद्ध बीकानेर मिष्ठान भंडार में ग्राहकों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिल रही है। शहरभर में मिठाइयों की दुकानों पर रौनक है, लेकिन बीकानेर मिष्ठान भंडार अपनी शुद्धता और स्वाद के कारण लोगों की पहली पसंद बना हुआ है। स्वामी तग़ सिंह ने बताया कि वर्षों से उनका उद्देश्य केवल शुद्धता और गुणवत्ता पर ध्यान देना रहा है, यही कारण है कि ग्राहकों का विश्वास लगातार बना हुआ है। उन्होंने कहा, ÷हम मानते हैं कि मिठाई सिर्फ स्वाद की बात नहीं, बल्कि विश्वास और परंपरा का प्रतीक है। शुद्धता ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। हरिद्वार में बीकानेर मिष्ठान भंडार के पांच आउटलेट संचालित हैं, जहां पर दीपावली के लिए खास घी के लड्डू, काजू कतली, मिल्क केक, और रसगुल्ले जैसी मिठाइयों की मांग सबसे अधिक रही। ग्राहकों ने बताया कि त्योहार पर वे हमेशा बीकानेर मिष्ठान भंडार से ही मिठाई खरीदते हैं क्योंकि यहां स्वाद, ताजगी और शुद्धता का अनूठा मेल मिलता है। दीपावली के चलते दुकान पर सुबह से देर रात तक ग्राहकों की भीड़ लगी रही। वहीं स्टाफ ने ग्राहकों की सुविधा के लिए विशेष काउंटर और पैकिंग व्यवस्था भी की है ताकि त्योहार की खरीदारी सहज हो सके। बीकानेर मिष्ठान भंडार के संचालकों ने सभी ग्राहकों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास बनाए रखने के लिए आभार व्यक्त किया।

# सेना प्रमुख ने अग्रिम चौकियों का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया

नयी दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण भूभागों में आम लोगों के साथ सेनाओं के तालमेल को बेहतर बनाने, सैन्य अभियानों की स्थिति का आकलन करने और सैनिकों को प्रेरित करने के लिए रविवार को मध्य क्षेत्र की अग्रिम चौकियों का दौरा किया।

सेना प्रमुख ने पिथौरागढ़ के अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों और आस-पास की अग्रिम चौकियों पर तैनात संरचनाओं की समीक्षा की। उन्होंने उन्नत निगरानी प्रणालियों, विशेषज्ञ गतिशीलता प्लेटफार्मों, अगली पीढ़ी की तकनीकों के एकीकरण, टोही संपत्तियों के अनुकूलन और संबद्ध सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय सहित क्षमता बढाये जाने पर जानकारी हासिल की। उन्होंने चुनौतीपूर्ण भूभागों में पेशेवर कौशल , अनुशासन, सामरिक चपलता और नए उपकरणों के अभिनव उपयोग की सराहना की। सुदूर क्षेत्रों में तैनात कर्मियों के साथ बातचीत करते हुए जनरल द्विवेदी ने विषम जलवायु परिस्थितियों और उबड़-खाबड़ इलाकों में उनके लचीलेपन,

साहस और कर्तव्य के प्रति अटूट समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने स्वयं से पहले सेना के मूल सिद्धांत का आह्वान करते हुए, उभरती सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए भारतीय सेना की पूरी तैयारी की पुष्टि की। सेना प्रमुख ने पूर्व सैनिकों और स्थानीय समुदायों के साथ भी बातचीत की, उनके बलिदानों को स्वीकार किया और सभी रैंकों और उनके परिवारों को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कुमाऊं क्षेत्र के सामरिक महत्व पर ज़ोर देते हुए, विशेष रूप से नेपाल और चीन से लगे सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रवेश द्वार के रूप में, सेना प्रमुख ने स्थानीय लोगों की देशभक्ति और लचीलेपन की सराहना की। उन्होंने कुमाऊं रेजिमेंट की गौरवशाली विरासत का स्मरण किया और ऑपरेशन सद्भावना और वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत की गई पहलों की समीक्षा की, जिनमें गर्ब्यांग और कालापानी में टेंट-आधारित होमस्टे, सड़क अवसंरचना, हाइब्रिड पावर सिस्टम, चिकित्सा शिविर और पॉलीहाउस के माध्यम से कृषि सहायता शामिल हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि कुमाऊं में भारतीय सेना ÷ करुणा के साथ शक्ति÷ का प्रतीक है, जो सीमावर्ती समुदायों को सशक्त बनाते हुए सीमाओं की रक्षा करती है। दौरे का समापन करते हुए जनरल द्विवेदी ने परिचालन उत्कृष्टता बनाए रखने, नागरिक-सैन्य सद्भाव को बढ़ाने और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, सम्मान और सेवा की सर्वोच्च परंपराओं को बनाए रखने के भारतीय सेना के अटूट संकल्प की पुष्टि की।

# नगर पालिका व पंचायत चुनाव में कांग्रेस ने चुनाव चोरी का लगाया आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने दादरा, नगर हवेली के नगर पालिका और पंचायत चुनाव में भाजपा और चुनाव आयोग पर गठजोड़ कर विपक्षी उम्मीदवारों की उम्मीदवारी रद्द करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि यहां खुलेआम चुनाव चोरी हुई है।

कांग्रेस पार्टी ने बयान जारी कर कहा कि चुनाव आयोग और भाजपा ने साजिशन कर कांग्रेस और विपक्ष के उम्मीदवारों के नामांकन रद्द कर दिए। कांग्रेस ने कहा सिलवासा नगर पालिका चुनाव में कांग्रेस के 12 कैंडिडेट ने फॉर्म भरे, जिसमें से 8 फॉर्म रद्द कर दिए गए। इसी तरह जिला पंचायत चुनाव में 21 फॉर्म भरे गए, जिसमें से 13 फॉर्म रद्द कर दिए गए।

कांग्रेस पार्टी ने कहा साजिश की तहत ये किया गया। पार्टी ने कहा, ÷ साजिश की क्रोनोलॉजी समझिए, नामांकन पेपर की स्क्रुटनी के लिए जो जगह तय की गई थी, अचानक वह जगह बदल दी गई और जानबूझकर इसकी जानकारी विपक्ष के

उम्मीदवारों को नहीं दी गई। बहुत से विपक्ष के उम्मीदवारों को स्क्रुटनी के लिए बुलाया नहीं गया। मनमाने तरीके से विपक्ष के उम्मीदवारों के नामांकन रद्द किए गए, कोई वजह नहीं बताई गई। चुनाव आयोग के अधिकारी से जब इसकी शिकायत की गई तो कोई सुनवाई नहीं हुई।

उम्मीदवारों के नामांकन रद्द होने पर कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र पर प्रहार बताया। पार्टी ने बयान जारी कर कहा ये साफ तौर से चुनाव चोरी है। अब तक चुनाव आयोग और भाजपा मिलकर वोट चोरी करते आए हैं, लेकिन चोरी का खेल खुलने के बाद सीधा चुनाव चोरी में लग गए हैं। ये लोकतंत्र और संविधान पर प्रहार है।

दादरा नगर हवेली व दमण एवं दीव के कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रभु टोकिया ने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवारों के साथ हुआ अन्याय हुआ है और सुनियोजित तरीके से नामांकन रद्द किया गया है। उन्होंने कहा, इस मसले पर हम कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। संसद से सड़क तक लड़ाई लड़ेंगे।

उल्लेखनीय है कि केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव में आगामी पंचायत, जिला पंचायत और नगरपालिका परिषद के आम चुनावों के लिए 5 नवंबर को मतदान होना है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर थी, नामांकन की जांच 18 अक्टूबर, नाम वापसी की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर को है और मतदान 5 नवंबर, 2025 को प्रस्तावित हैं।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन-249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(सह संपादक) 9837906777 सुरेन्द्र पाल सिंह (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) वेबसाई- 41, शांतिपुरम, www.pathpravah.comwww.pathpravah.comwww.pathpravah.com